मदनी क़ायदा

प्राथमिक छात्रों के लिए क़ुरआन पढ़ने की शिक्षा

मस्जिद-ए-हराम और मस्जिद-ए-नबवी में पवित्र क़ुरआन
और शैक्षणिक मूलपाठों के हलकों का निर्धारित पाठ्यक्रम

डॉक्टर अब्दुल मुहसिन बिन मोहम्मद अल-क़ासिम
इमाम व ख़तीब मस्जिद-ए-नबवी शरीफ

باللغة الهندية

मदनी क़ायदा

प्राथमिक छात्रों के लिए क़ुरआन

पाठ की शिक्षा

मदनी क़ायदा

प्राथमिक छात्रों के लिए क़ुरआन पाठ की शिक्षा

मस्जिद नबवी में पवित्र क़ुरआन और शैक्षणिक मूल टेक्स्ट
ग्रंथों (मुतून) का निर्धारित पाठ्यक्रम

डॉक्टर अब्दुल मुहसिन बिन मोहम्मद अल क़ासिम
इमाम व ख़तीब मस्जिद ए नबवी शरीफ

अल्लाह के नाम से जो बड़ा दयालू व किरपालू है

प्रस्तावना

संपूर्ण प्रश्नसा अल्लाह के लिऐ है जो संसारों का मालिक है, दरूद व सलाम हो हमारे प्यारे पैग़ंबर मुहम्मद ﷺ पर, आपके परिवार और तमाम साथियों पर। अल्लाह की हम्द क बाद।

यह उम्मत ज्ञान द्वारा सम्मानित की गई है, अत: अल्लाह की ओर से उतरने वाली प्रथम आयत इसी पर प्रोत्साहन करने वाली थी, महान अल्लाह का कथन है:

﴿ٱقۡرَأۡ بِٱسۡمِ رَبِّكَ ٱلَّذِي خَلَقَ﴾ [سورة العلق:١].

पढ़ो अपने रब का नाम लेकर जिसने (सब कुछ) पैदा किया। (अल अलक़: १)

चूँकि पढ़ना ज्ञान की प्राप्ति का एक आधार है, इस लिए मैंने इसके उसूलों को एकत्र किया और इसमें व्यापकता, सरलता, सहजता, सीखने की समयसीमा को कम करने तथा प्राथमिक छात्रों के बीच पढ़ने की महारत में दृढ़ता को सामने रखा है। मैंने इसका नाम "मदनी क़ायदा; प्राथमिक वर्ग का पाठ्यपुस्तक" रखा है।

मैं अल्लाह से प्रार्थना करता हूँ कि वह इस पुस्तक से लाभान्वित करे और अपनी खातिर इसे शुद्धता प्रदान करे।

दरूद व सलाम हो हमारे पैग़ंबर मुहम्मद ﷺ पर, आपके परिवार और तमाम साथियों पर।

डॉक्टर अब्दुल मुहसिन बिन मोहम्मद अल क़ासिम

इमाम व ख़तीब मस्जिद ए नबवी शरीफ

ईद उल अज़हा १४४१ हिजरी के दिन मैंने इस किताब को संपन्न किया।

इस पुस्तक में मेरा कार्य

१- भाषा की पुस्तकों के आधार पर मैंने इस पुस्तक को एक ज्ञानयुक्त नींव दी है।

२- पुस्तक में वे सभी व्याकरण (क़ायदे) शामिल हैं जिनकी एक छात्र को आवश्यकता होती है।

३- हर पाठ के आरंभ होने से पहले अक्षरों, उनके नाम और उनकी ध्वनियों को प्रस्तावना के रूप में चित्रित किया।

४- पुस्तक को तेरह अध्यायों में विभाजित किया है, प्रत्येक अध्याय के अंतर्गत कई पाठ हैं।

५- मैंने पुस्तक की तरतीब में मानसिक अनुक्रम और शिक्षा में क्रमोन्नति को ध्यान में रखा है।

६- हर पाठ को एक दूसरे से जोड़ा है ताकि छात्र को पिछले सीखे हुए पाठ याद रहें।

७- मैंने हर अध्याय के प्रारंभ में शैक्षणिक उद्देश्य निर्धारित किए हैं ताकि छात्र उन उद्देश्यों को प्राप्त करे।

८- हर अध्याय के शुरू में शिक्षक के लिए ज़रूरी नोट्स भी लिखे हैं, जैसे: पढ़ाने की पद्धति क्या होनी चाहिए आदि।

९- पठन सीखने के लिए मैंने एक संक्षिप्त तरीका रखा है।

१०- मैंने पठन के कुछ नियमों में महारत हासिल करने और उन्हें स्पष्ट करने के लिए अलग-अलग अध्याय और पाठ चुने हैं:

क- हमज़ा, इसके महत्व और अधिकतर हुरूफ ए इल्लत (स्वर वर्ण) के साथ इसके जुड़ाव के कारण।

ख- हमज़ा ममदूदा इसलिए कि इसमें दो हमज़ा इकट्ठे हो जाते हैं या हमज़ा और अलिफ एक साथ मिल जाते हैं।

ग- अलिफ मक़सूरा क्यूंकि ये "या" से मिलता जुलता है।

घ- हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली, ता ए मरबूता, लाम ए क़मरिया और लाम ए शम्सिया ताकि अलग-अलग उच्चारण के साथ शक्ल में समानता को समायोजित किया जा सके।

ड़- साधारण मद (खींच कर पढ़ना): भाषा में इसकी प्रचुरता और शिक्षार्थी को इसे जानने की आवश्यकता के कारण।

च- जमा (बहुवचन) के वाव के बाद अलिफ, इस बात को दर्शाने के लिए कि जमा के वाव के बाद जो अलिफ आता है वो पढ़ा नहीं जाता।

छ- क़ुरआनी लिपि की शब्दावली, मैंने इसके उदाहरणों को क़ुरआनी लिपि के अनुसार लिखा है ताकि छात्र क़ुरआन को स्पष्ट रूप से उसी तरह पढ़ सके जिस तरह उसने पढ़ने के नियमों को सीखा है।

ज- संख्या ०-२० ताकि एकल और यौगिक संख्याएँ दोनों पढ़े।

११- मैंने अध्याय "शब्दों (कलिमात) का पाठ" को पांच पाठों में विभाजित किया है, २ शब्द से ४ शब्द तक पठन से शुरुआत की, फिर एक वाक्य का पठन, फिर कई वाक्यों से मिलकर बने मूलपाठ का पठन।

१२- पाठ का आरंभ फतहा (ज़बर) से किया, फिर कसरा (ज़ेर) फिर ज़म्मा (पेश), इसलिए कि फतहा सबसे आसान हरकत है इसके बाद कसरा , फिर इसके बाद सुकून को लाया।

९३- अध्याय "हरकत और सूकून वाले हुरूफ (अक्षर)" में उदाहरण तीन हुरूफ (अक्षरों) तक सीमित किया है।

९४- अध्याय दो से पाँच तक के शुरु में, मैंने सभी हुरूफ (अक्षरों) को उनके इच्छित पाठ और फिर उदाहरणों के साथ रखा है।

९५- सारे कलिमात को शक्ल (फतहा, कसरा और ज़म्मा) से सुसज्जित कर दिया है और तन्वीन वाला फतहा अलिफ पर लगाया है।

९६- उदाहरणों को क़ुरआन और हदीस के कलिमात तक सीमित किया है; क्योंकि यही दोनों भाषा का आधार हैं।

९७- मैंने उदाहरणों को चुनने में ध्यान रखा कि वो पढ़ने और समझने में आसान हों और उनका अर्थ भी स्पष्ट हो।

९८- मैंने कलिमात के पठन वाले अध्याय में उदाहरणों को चुनने में इस बात का भी ध्यान रखा कि वो धर्म के मूल सिद्धांतों और नैतिक सदाचार पर आधारित हो ताकि छात्र अपने विद्या और कर्म दोनों को एकत्रित रखें।

१९- मैंने अध्याय पांच के अंत तक उदाहरणों में इच्छित हर्फ (अक्षर) को वर्णानुक्रम के आधार पर व्यवस्थित किया है। उसके बाद जो भी है उसकी तरतीब या तो इच्छित हर्फ से पहले है या उसके बाद, और मैंने दूसरे और तीसरे अध्याय को हमज़ा से शुरू किया है।

२०- मैंने उदाहरणों में एक कलिमा (शब्द) को बार-बार नहीं दोहराया ताकि छात्र भिन्न-भिन्न कलिमात का पाठ करे।

२१- हुरूफ (अक्षरों) और उदाहरणों को मैंने तालिकाओं में बांट दिया है और हर एक की लाइनों को सफेद और हरे रंग से चिन्हित किया है।

२२- पाठ में इच्छित हुरूफ और हरकात को लाल रंग से चिन्हित किया गया है।

२३- पुस्तक के हुरूफ (अक्षरों) और कलिमात (शब्दों) की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी राखी है, ताकि विद्यार्थी को सही पठन सुनने और पढ़ने का कौशल प्राप्त हो।

२४- मैंने इस पुस्तक के साथ लेखन के लिए एक विशेष पुस्तक रखी है जिसका नाम है "मदनी क़ायदा प्राथमिक वर्ग का लेखन पुस्तक"।

मदनी क़ायदे की विशेषताएं

१- भाषा की किताबों पर आधारित ज्ञानयुक्त नींव

२- पठन के सारे नियम

३- पठन सीखने में आसानी और सरलता

४- धीरे धीरे पठन प्रणाली

५- संक्षिप्त समय में पठन सीखने और उसमें दृढ़ता का प्रशिक्षण

६- उदाहरण क़ुरआन और हदीस के कलिमात पर आधारित

७- सरल और स्पष्ट उदाहरणों का प्रयोग

८- उदाहरणों को बार-बार ना दोहराना

९- कलिमात के पठन वाले अध्याय में धर्म के मूल सिद्धांतों और नैतिक सदाचार पर आधारित उदाहरण

१०- इसके साथ अरबी भाषा में एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी संलग्न है जो विद्यार्थी के सही पठन सुनने और पढ़ने में सहायक होगी।

११- इसके साथ इन्हीं उदाहरणों को लिखने के लिए एक अन्य विशेष पुस्तक

मदनी क़ायदे के उद्देश्य

पुस्तक की विद्या प्राप्त करने के बाद छात्र इन चीज़ों पर निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से) :

- हुरूफ अल-हिजा (वर्णमाला) के हुरूफ (अक्षरों) को उनके रूपों में पहचान लेगा।
- हुरूफ अल-हिजा (वर्णमाला) के हुरूफ (अक्षरों) को उनके विभिन्न रूपों के साथ सही से पढ़ सकेगा।
- हरकत और सुकून को पहचान लेगा।
- हरकत और सुकून के साथ हुरूफ (अक्षरों) को सही से पढ़ लेगा।
- तन्वीन को पहचान लेगा।
- तन्वीन वाले हुरूफ (अक्षरों) को अच्छी तरह पढ़ लेगा।
- हुरूफ (अक्षरों) को शद्दा (तशदीद) और हरकत के साथ पहचान लेगा।
- शद्दा (तशदीद) के साथ हरकत वाले हुरूफ (अक्षरों) को सही से पढ़ लेगा।
- हुरूफ (अक्षरों) को शद्दा (तशदीद) और तन्वीन के साथ पहचान लेगा।
- शद्दा (तशदीद) के साथ तन्वीन वाले हुरूफ (अक्षरों) को सही से पढ़ लेगा।
- हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली के बीच पठन और लेखन में जो अन्तर है उसे समझ जाएगा।
- साधारण मद को पहचानेगा
- जमा (बहुवचन) के वाव के बाद अलिफ को जान लेगा।
- ता ए मरबूता को मिलाकर और ठहर कर पढ़ने में महारत प्राप्त करेगा।
- लाम ए क़मरिय्या और लाम ए शम्सिय्या सही ढंग से पढ़ सकेगा।
- कलिमात (शब्दों) , (जुमलों) वाक्यों और नस (मूल पाठ) को सही ढंग से पढ़ने में कुशल होगा।
- उस्मानी लिपि के संदर्भ में पवित्र क़ुरआन को पढ़ सकेगा।
- अंकों को सही ढंग से पढ़ने में दक्ष होगा।

पाठ्यक्रम की व्याख्यात्मक सीढ़ी

तेरहवां अध्याय
अरक़ाम (अंक)

बारहवाँ अध्याय
क़ुरआनी लिपि की शब्दावली

ग्यारहवाँ अध्याय
कलिमात (शब्दों) का पठन

दसवाँ अध्याय
क़मरी और शम्सी लाम

नवाँ अध्याय
ता ए मरबूता (गोल ता)

आठवाँ अध्याय
बहुवचन के वाव के बाद अलिफ

सातवाँ अध्याय
साधारण मद

छठा अध्याय
हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली

पांचवाँ अध्याय
हर्फ, शद्दा और तन्वीन के साथ

चौथा अध्याय
हर्फ शद्दा और हरकत के साथ

तीसरा अध्याय
हर्फ तन्वीन के साथ

दूसरा अध्याय
हर्फ हरकत और सुकून के साथ

प्रथम अध्याय
वर्णमाला

प्रस्तावना

शिक्षक के लिए

हुरूफ (अक्षरों) की संख्या २८ है, हर हर्फ (अक्षर) का अपना रूप, अपना नाम और अपनी ध्वनि है, इसका विश्लेषण:

ध्वनि	नाम	अक्षर का रूप
ज़	ज़ाद	ض
त़	त़ा	ط
ज़	ज़ा	ظ
अ	ऐन	ع
ग़	ग़ैन	غ
फ़	फ़ा	ف
क़	क़ाफ़	ق
क	काफ	ك
ल	लाम	ل
म	मीम	م
न	नून	ن
ह	हा	هـ
व	वाव	و
य	या	ي

ध्वनि	नाम[1]	अक्षर का रूप
अ[2]	अलिफ़	أ
ब[3]	बा	ب
त	ता	ت
ष	सा	ث
ज	जीम	ج
ह़	ह़ा	ح
ख़	ख़ा	خ
द	दाल	د
ज़	ज़ाल	ذ
र	रा	ر
ज़	ज़ाय	ز
स	सीन	س
श	शीन	ش
स़	स़ाद	ص

(१) छात्र हुरूफ के नाम अंतिम अक्षर के सुकून से पढ़े और मिलाकर तनवीन ज़म्मा (पेश) के साथ पढ़े।

(२) अलिफ लय्यिन हर्फ है अर्थात: इसपर हमेशा सुकून और उससे पहले फतहे वाला हर्फ होता है, इसी लिए जब अपने पहले वाले हर्फ के साथ पढ़ा जाता है तो उसकी अपनी आवाज़ नहीं आती जैसे بَا व تَا इसकी आवाज़ दो हरकतों के बराबर होती है।

(३) उसकी आवाज़ एक हरकत के बराबर होती है।

प्रथम अध्याय

हुरूफ अल-हिजा (वर्णमाला)

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से)

हुरूफ अल-हिजा (वर्णमाला) को पहचान लेगा

हुरूफ अल-हिजा (वर्णमाला) को सही से पढ़ सकेगा

हुरूफ अल-हिजा (वर्णमाला) की शक्लों को पहचान लेगा

हुरूफ अल-हिजा (वर्णमाला) को विभिन्न शक्लों के साथ पढ़ लेगा

हमज़ा को उसके विभिन्न शक्लों के साथ पहचान लेगा और पढ़ भी लेगा

हमज़ा ममदूदा को पहचान लेगा और पढ़ भी लेगा

अलिफ मक़सूरा को पहचान लेगा और पढ़ भी लेगा

शिक्षक के लिए

पठन का तरीक़ा:

प्रथम पाठ का विश्लेषण (पैज १५) :

छात्र प्रस्तावना में बताए अनुसार हर्फ का नाम पढ़े।

उदाहरण: जैसे हर्फ (ا), वो पढ़े अलिफ, हर्फ (ب), वो पढ़े बा, हर्फ (ج), वो पढ़े जीम, हर्फ (ز), वो पढ़े ज़ाय आदि

दूसरे पाठ का विश्लेषण (पैज १६) :

छात्र प्रस्तावना में बताए गए नियम अनुसार हर्फ के भिन्न रूप के साथ उसका नाम पढ़े।

उदाहरण: हर्फ जीम जब कलिमा (शब्द) के बीच में या अंत में आए ـجـ - ـج इसे जीम (جيم) पढ़े, आदि

अवश्यक नोट :

इस पाठ में छात्र को नहीं कहा जाएगा कि हर्फ कलिमा (शब्द) के आरंभ में है या अंत में, बस उसे हर्फ के नाम पढ़ने की जानकारी देने पर ही सीमित रखा जाएगा चाहे वह हर्फ कहीं भी किसी भी रूप में आए।

तीसरे पाठ का विश्लेषण (पैज २०) :

हमज़ा भिन्न भिन्न जगहों में, चाहे लाइन पर हो या "अलिफ" के ऊपर हो या नीचे, या "वाव" या "या" के ऊपर हो, ؛ «ئ - ـئـ - ؤ - إ - أ - ء» इस पाठ में छात्र "हमज़ा" पढ़ें, दूसरे पाठों में इसकी असली ध्वनि के साथ पढ़े जैसे « ءَ » अ।

चौथे पाठ का विश्लेषण (पैज २०) :

हमज़ा ममदूदा : वह अलिफ जिस पर मद हो और इस प्रकार लिखा जात हौ (آ)

इस पाठ में छात्र "हमज़ा ममदूदा" पढ़े, दूसरे पाठों में इसकी असली ध्वनि के साथ पढ़े जैसे (آ) आ।

अवश्यक नोट :

अगर कलिमा (शब्द) के आरंभ में फतहा वाला हमज़ा हो और उसके बाद मद वाला अलिफ साकिन हो जैसे أَاذان तो उसे इस प्रकार लिखा जाएगा آذان या कलिमा (शब्द) के बीच में हो जैसे رأاه तो उसे इस प्रकार लिखा जाएगा رآه, इसी तरह قرءان को قرآن लिखा जाएगा।

पांचवें पाठ का विश्लेषण:

"अलिफ मक़सूरा" इसे बिना नुक्तों वाले "या" के रूप में लिखा जाएगा (ى)

इस पाठ में छात्र "अलिफ मक़सूरा" पढ़े, दूसरे पाठों में इसकी असली ध्वनि के साथ पढ़े जैसे (ا)।

प्रथम पाठ : वर्णमाला

ا	ب	ت	ث
ج	ح	خ	
د	ذ	ر	ز
س	ش	ص	ض
ط	ظ	ع	غ
ف	ق	ك	ل
م	ن	ه	و	ي

दूसरा पाठ : वर्णमाला के रूप

ا	ا	ـا	ـا
ب	بـ	ـبـ	ـب
ت	تـ	ـتـ	ـت ـة ة
ث	ثـ	ـثـ	ـث
ج	جـ	ـجـ	ـج
ح	حـ	ـحـ	ـح
خ	خـ	ـخـ	ـخ

د	د	ـد	ـد
ذ	ذ	ـذ	ـذ
ر	ر	ـر	ـر
ز	ز	ـز	ـز
س	سـ	ـسـ	ـس
ش	شـ	ـشـ	ـش
ص	صـ	ـصـ	ـص
ض	ضـ	ـضـ	ـض

ط	ط	ـطـ	ـط
ظ	ظ	ـظـ	ـظ
ع	عـ	ـعـ	ـع
غ	غـ	ـغـ	ـغ
ف	فـ	ـفـ	ـف
ق	قـ	ـقـ	ـق

ك	كـ	ـكـ	ـك
ل	لـ	ـلـ	ـل
م	مـ	ـمـ	ـم
ن	نـ	ـنـ	ـن
ه	هـ	ـهـ	ـه ـه
و	و	ـو	ـو
ي	يـ	ـيـ	ـي

तीसरा पाठ: हमज़ा

हमज़ा के रूप	ء		
ء	أ ـأ	إ ـإ
ؤ ـؤ	ئ ـئ	ئ ـئ

चौथा पाठ: हमज़ा ममदूदा

हमज़ा ममदूदा के रूप	آ	
آ	ـآ

पांचवा पाठ: अलिफ मक़सूरा

अलिफ मक़सूरा के रूप	ى	
ى	ـى

दूसरा अध्याय

हुरूफ हरकत और सुकून के साथ

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से)

- हरकत और सुकून को पहचान लेगा
- हुरूफ को हरकत और सुकून के साथ सही से पढ़ सकेगा।

शिक्षक के लिए

हरकत: हर्फ के ऊपर या नीचे लगने वाला एक छोटा सा चित्र, ताकि हर्फ की ध्वनि स्पष्ट हो जाए।

फतहा: हर्फ के ऊपर छोटा डैश। ज़म्मा: हर्फ के ऊपर छोटा वाव।

कसरा: हर्फ के नीचे छोटा डैश। सुकून: हर्फ के ऊपर छोटा वृत्त।

पठन का तरीका: पहले, दूसरे और तीसरे पाठ का विश्लेषण (पैज २३, २६, २९):

छात्र हर्फ की ध्वनि को हरकत के साथ पढ़े (أَ-إِ-أُ) अर्थात: अ-इ-उ, जैसा कि प्रस्तावना में बताया गया है (पेज ११)।

पहले, दूसरे और तीसरे पाठ के उदाहरणों का विश्लेषण (पेज २४, २७, ३०) :

१.पहले बॉक्स में हर्फ की आवाज़ उसकी हरकत के साथ पढ़ें (أَ)।

२. दूसरे बॉक्स में प्रथम हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़ें,(أَ) फिर दूसरे हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़ें, (خَـ) फिर दोनों को एक साथ पढ़ें (أَخَـ)।

३. तीसरे बॉक्स में पहले बॉक्स का तरीका अपनाएं, फिर तीसरे हर्फ को हरकत के साथ पढ़े (ـذَ), फिर पूरे कलिमे (शब्द) को एक साथ पढ़ें (أَخَذَ)

४. यही तरीका कसरा और ज़म्मा के पाठ में भी अपनाएं।

चौथे पाठ का विश्लेषण (पेज ३२) :

छात्र प्रथम हर्फ को हरकत के साथ पढ़े (أَ) फिर प्रथम हर्फ को दूसरे सुकून वाले हर्फ के साथ पढ़े (أَبْ), क्योंकि सुकून वाले हर्फ को तन्हा नहीं पढ़ा जा सकता।

चौथे पाठ के उदाहरणों का विश्लेषण (पेज ३३) :

१. छात्र पहले बॉक्स में प्रथम हर्फ को हरकत के साथ पढ़े (بَـــ), फिर प्रथम हर्फ को दूसरे सुकून वाले हर्फ के साथ पढ़ें (بَأْ)।

२. दूसरे बॉक्स में पहले बॉक्स का तरीका अपनाए, फिर तीसरे हर्फ को हरकत के साथ पढ़े, (سَ) फिर पूरे कलिमा (शब्द) को एक साथ पढ़े (بَأْسَ)।

अवश्यक नोट: इस अध्याय से लेकर किताब के अंत तक छात्र हर्फ की ध्वनि को हरकत और सुकून के साथ पढ़े, नाम के साथ नहीं। سَ को स पढ़ा जाए, सीन नहीं।

पहला पाठ: फतहा ـَـ

أَ	بَ	تَ	ثَ
جَ	حَ	خَ	دَ
ذَ	رَ	زَ	سَ
شَ	صَ	ضَ	طَ
ظَ	عَ	غَ	فَ
قَ	كَ	لَ	مَ
نَ	هَ	وَ	يَ

फतहा ـَ के उदाहरण

أَ	أَخَ	أَخَذَ
بَ	بَسَ	بَسَطَ
تَ	تَرَ	تَرَكَ
ثَ	ثَبَ	ثَبَتَ
جَ	جَمَ	جَمَعَ
حَ	حَمَ	حَمَلَ
خَ	خَتَ	خَتَمَ
دَ	دَخَ	دَخَلَ

ذَ	ذَهَـ	ذَهَـبَ
رَ	رَفَـ	رَفَـعَ
زَ	زَعَـ	زَعَمَ
سَـ	سَجَـ	سَجَدَ
صَـ	صَدَ	صَدَقَ
عَـ	عَبَـ	عَبَـسَ
غَـ	غَفَـ	غَفَـرَ
نَـ	نَزَ	نَزَلَ

दूसरा पाठ: कसरा ـِ

إِ	بِ	تِ	ثِ
جِ	حِ	خِ	دِ
ذِ	رِ	زِ	سِ
شِ	صِ	ضِ	طِ
ظِ	عِ	غِ	فِ
قِ	كِ	لِ	مِ
نِ	هِ	وِ	يِ

कसरे ـِ के उदाहरण

يَـ	يَئِـ	يَئِـسَ
أَ	أَجِـ	أَجِـدَ
رَ	رَحِـ	رَحِـمَ
بَـ	بَـخِـ	بَـخِـلَ
رَ	رَدِ	رَدِفَ
شَـ	شَـرِ	شَـرِبَ
فَـ	فَـزِ	فَـزِعَ
نَـ	نَسِـ	نَسِـيَ

خَ	خَشِ	خَشِيَ
خَ	خَطِ	خَطِفَ
مَ	مَعِ	مَعِيَ
سَ	سَفِ	سَفِهَ
بَ	بَقِ	بَقِيَ
عَ	عَلِ	عَلِمَ
سَ	سَمِ	سَمِعَ
شَ	شَهِ	شَهِدَ

तीसरा पाठ: ज़म्मा ـُـ

ثُ	تُ	بُ	أُ
دُ	خُ	حُ	جُ
سُ	زُ	رُ	ذُ
طُ	ضُ	صُ	شُ
فُ	غُ	عُ	ظُ
مُ	لُ	كُ	قُ
يُ	وُ	هُ	نُ

ज़म्मे ـُ के उदाहरण

كَ	كَبُ	كَبُرَ
كَ	كَثُ	كَثُرَ
ثَ	ثَخُ	ثَخُنَ
يَ	يَدُ	يَدُكَ
قَ	قَرُ	قَرُبَ
حَ	حَسُ	حَسُنَ
بَ	بَصُ	بَصُرَ
عَ	عَضُ	عَضُدَ

طُ	طُبِ	طُبِعَ
ظُ	ظُلِ	ظُلِمَ
عُ	عُفِ	عُفِيَ
فُ	فُتِ	فُتِحَ
قُ	قُرِ	قُرِئَ
كُ	كُبِ	كُبِتَ
هُ	هُدِ	هُدِيَ
وُ	وُضِ	وُضِعَ

चौथा पाठ: सुकून ـْ

بَأْ	أَبْ	أَتْ	أَثْ
أَجْ	أَحْ	أَخْ	أَدْ
أَذْ	أَرْ	أَزْ	أَسْ
أَشْ	أَصْ	أَضْ	أَطْ
أَظْ	أَعْ	أَغْ	أَفْ
أَقْ	أَكْ	أَلْ	أَمْ
أَنْ	أَهْ	أَوْ	أَيْ

सुकून ـْ के उदाहरण

بَأْ	بَأْسَ
سَبْـ	سَبْـعَ
أَجْـ	أَجْـرُ
يَدْ	يَدْعُ
عَرْ	عَرْشَ
نَصْـ	نَصْـرُ
فَضْـ	فَضْـلُ
بَطْـ	بَطْـشَ

بَعْ	بَعْضُ
مَكْ	مَكْرُ
قَلْ	قَلْبِ
أَمْ	أَمْرُ
كُنْ	كُنْتَ
أَهْ	أَهْلُ
يَوْ	يَوْمَ
غَيْ	غَيْبُ

तीसरा अध्याय

हुरूफ तन्वीन के साथ

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीजों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से)

- तन्वीन को पहचान लेगा
- तन्वीन वाले हुरूफ को सही से पढ़ लेगा

शिक्षक के लिए

तन्वीन: सुकून वाला अतिरिक्त नून होता है, जो शाब्दिक रूप से संज्ञा के अंत में होता है, जबकि ये लिखावट और विराम में नून से भिन्न होता है।

दो फतहा : हर्फ के ऊपर दो छोटे डैश « ـً »

दो कसरा : हर्फ के नीचे दो छोटे डैश « ـٍ »

दो ज़म्मा : हर्फ के ऊपर दो छोटे वाव « ـٌ »

पठन का तरीका:

पहले, दूसरे और तीसरे पाठ का विश्लेषण (पेज ३७, ३९, ४१) :

छात्र तन्वीन वाले हर्फ को हरकत के साथ पढ़ें: (ءاً-ءٍ-ءٌ) अन- इन- उन।

पहले, दूसरे और तीसरे पाठ के उदाहरणों का विश्लेषण (पेज ३८, ४०, ४२) :

१. पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़ें (عِ), फिर दूसरे हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े (نَ) , फिर दोनों को एक साथ पढ़े (عِنَ), फिर तीसरे तनवीन वाले हर्फ को हरकत के साथ पढ़े (باً), फिर पूरे कलिमा (शब्द) को एक साथ पढ़े। (عِنَباً)

२. जब दूसरा हर्फ सुकून वाला हो तो पहले हर्फ को हरकत के साथ पढ़ें (فَ) , फिर पहले हर्फ को दूसरे सुकून वाले हर्फ के साथ पढ़ें (فَوْ), फिर तीसरे तनवीन वाले हर्फ को हरकत के साथ पढ़ें (زاً), फिर पूरे शब्द को एक साथ पढ़ें(فَوْزاً)

३. छात्र यही तरीका दो कसरा और दो ज़म्मा के पाठ के उदाहरणों में भी अपनाए।

पहला पाठ: दो फतहा ً

ثاً	تاً	باً	ءاً
داً	خاً	حاً	جاً
ساً	زاً	راً	ذاً
طاً	ضاً	صاً	شاً
فاً	غاً	عاً	ظاً
ماً	لاً	كاً	قاً
یاً	واً	هاً	ناً

दो फतहा ـً के उदाहरण

عِنَباً	مَقْتاً
مَرَحاً	أَحَداً
أَذىً	خَيْـراً
فَوْزاً	كَأْساً
قَرْضاً	وَسَطاً
حِفْظاً	نَفْعاً
آنِفاً	مُلْكـاً
حَرَماً	ثَمَناً

दूसरा पाठ: दो कसरे ـٍ

ثٍ	تٍ	بٍ	ءٍ
دٍ	خٍ	حٍ	جٍ
سٍ	زٍ	رٍ	ذٍ
طٍ	ضٍ	صٍ	شٍ
فٍ	غٍ	عٍ	ظٍ
مٍ	لٍ	كٍ	قٍ
يٍ	وٍ	هٍ	نٍ

दो कसरों ـٍـ के उदाहरण

شَيْءٍ	لَهَبٍ
آيَةٍ	عَبْدٍ
سَفَرٍ	نَفْسٍ
فُرُشٍ	أَرْضٍ
رَهْطٍ	زَرْعٍ
جُرُفٍ	طَبَقٍ
فَلَكٍ	رَجُلٍ
قَوْمٍ	قَرْنٍ

तीसरा पाठ: दो ज़म्मा ـٌـ

ثٌ	تٌ	بٌ	ءٌ
دٌ	خٌ	حٌ	جٌ
سٌ	زٌ	رٌ	ذٌ
طٌ	ضٌ	صٌ	شٌ
فٌ	غٌ	عٌ	ظٌ
مٌ	لٌ	كٌ	قٌ
يٌ	وٌ	هٌ	نٌ

दो ज़म्मों ـٌ के उदाहरण

حَرَجٌ	كُتُبٌ
زَيْدٌ	رَوْحٌ
إِنْسٌ	شَهْرٌ
زَيْغٌ	مَرَضٌ
إِفْكٌ	رِزْقٌ
آثِمٌ	عَدْلٌ
كُرْهٌ	عَيْنٌ
وَحْيٌ	لَهْوٌ

चोथा अध्याय

हुरूफ शद्दा और हरकत के साथ

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीजों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से)

- हुरूफ को शद्दा और हरकत के साथ पहचान लेगा।
- शद्दा वाले हुरूफ को हरकत के साथ सही से पढ़ लेगा।

शिक्षक के लिए

शद्दे वाला हर्फ (मुशद्दद): ऐसा साकिन हर्फ कि जिससे उसी जैसा हरकत वाला हर्फ मिला हुआ हो, इसका उदाहरण: «بْ+بَ=بَّ»

शद्दा फतहा के साथ: छोटे सीन का सिर जिस पर फतहा हो: «سَّ»

शद्दा कसरा के साथ: छोटे सीन का सिर जिस के नीचे कसरा हो: «سِّ»

शद्दा ज़म्मा के साथ: छोटे सीन का सिर जिस के ऊपर ज़म्मा हो: «سُّ»

पठन का तरीका :

पहले, दूसरे और तीसरे पाठ का विश्लेषण (पेज ४५,४७,४९) :

छात्र पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े«أَ» फिर पहले हर्फ को दूसरे मुशद्दद हरफ से मिल केर दोनों की हरकत के साथ पढ़े «أَبَّ» क्योंकि मुशद्दद हर्फ को तन्हा पढ़ना संभव नहीं।

पहले दूसरे और तीसरे पाठ के उदाहरणों का विश्लेषण (पेज ४६, ४८, ५०) :

१. छात्र पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «حَـ» फिर पहले हर्फ को दूसरे मुशद्दद हर्फ को हरकत के साथ पढ़े «حَبَّـ» फिर तीसरे हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «ـةٌ» फिर पूरा कलिमा (शब्द) एक साथ पढ़े «حَبَّةٌ»।

२. अगर दूसरे मुशद्दद हर्फ के बाद साकिन हर्फ हो तो पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «يَـ» फिर पहले हर्फ को दूसरे मुशद्दद हर्फ के साथ मिलाकर उनकी हरकतों के साथ पढ़े «يَسَّـ» फिर पहले हर्फ को दूसरे मुशद्दद हर्फ के साथ हरकतों सहित तीसरे साकिन हर्फ के साथ पढ़े «يَسَّرْ»।

३. यही तरीका शद्दा वाले दूसरे हर्फ के बाद अलिफ मकसूरा हो तो भी अपनाएं जैसे: «حَتَّى»।

४. जब शद्दा वाला हर्फ शब्द के अंत में हो तो पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «أَ» फिर दूसरे हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «عَـ» फिर दोनों को एक साथ पढ़े «أَعَـ» फिर दूसरे हर्फ को तीसरे मुशद्दद हर्फ के साथ हरकत सहित पढ़े «عَدَّ» फिर पूरे शब्द को एक साथ पढ़े «أَعَدَّ»।

पहला पाठ: शद्दा फतहे के साथ ـَّـ

أَبَّ	أَتَّ	أَثَّ	أَجَّ
أَحَّ	أَخَّ	أَدَّ	أَذَّ
أَرَّ	أَزَّ	أَسَّ	أَشَّ
أَصَّ	أَضَّ	أَطَّ	أَظَّ
أَعَّ	أَغَّ	أَفَّ	أَقَّ
أَكَّ	أَلَّ	أَمَّ	أَنَّ
أَهَّ	أَوَّ	أَيَّ	

शद्दा फतहा के साथ ـَّـ ; उदाहरण

حَبَّةٍ	حَتَّى
كَثَّرَ	سَخَّرَ
أَعَدَّ	كَذَّبَ
حَرَّمَ	عِزَّةٍ
أَحَسَّ	حِطَّةٌ
خَفَّفَ	أَحَقَّ
فَكَّرَ	سَلَّمَ
جَنَّةٌ	بَوَّأَ

दूसरा पाठ: शद्दा कसरे के साथ ـِّـ

أَبِّ	أَتِّ	أَثِّ	أَجِّ
أَحِّ	أَخِّ	أَدِّ	أَذِّ
أَرِّ	أَزِّ	أَسِّ	أَشِّ
أَصِّ	أَضِّ	أَطِّ	أَظِّ
أَعِّ	أَغِّ	أَفِّ	أَقِّ
أَكِّ	أَلِّ	أَمِّ	أَنِّ
أَهِّ	أَوِّ	أَيِّ	

शद्दा कसरे के साथ ـِّـ ; उदाहरण

عُجِّلَ	سَبِّحِ
عُذِّبَ	يُؤَدِّ
يَسِّرْ	بُرِّزَ
حُصِّلَ	بَشِّرِ
نُوَفِّ	عُطِّلَ
كُلِّمَ	ذُكِّرَ
مَهِّلِ	عَمِّكَ
زُيِّنَ	غُدُوِّ

तीसरा पाठ: शद्दा ज़म्मे के साथ ـُّ

أَبُّ	أَتُّ	أَثُّ	أَجُّ
أَحُّ	أَخُّ	أَدُّ	أَذُّ
أَرُّ	أَزُّ	أَسُّ	أَشُّ
أَصُّ	أَضُّ	أَطُّ	أَظُّ
أَعُّ	أَغُّ	أَفُّ	أَقُّ
أَكُّ	أَلُّ	أَمُّ	أَنُّ
أَهُّ	أَوُّ	أَيُّ	

शद्दा ज़म्मा के साथ ـُـّ ; उदाहरण

مِتُّ	يَبُثُّ
حِجُّ	يُرَدُّ
تَلَـذُّ	تَمُرُّ
تُعِزُّ	يَمَسُّ
أَهُشُّ	نَقُصُّ
يَـحُضُّ	يَدُعُّ
أَشَقُّ	يَـحِلُّ
مُتِمُّ	يَظُنُّ

पाँचवाँ अध्याय

हुरूफ शद्दा और तन्वीन के साथ

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीजों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से)

- शद्दा और तन्वीन के साथ हुरूफ को पहचान लेगा।
- मुशद्दद हुरूफ को तन्वीन के साथ सही से पढ़ लेगा।

शिक्षक के लिए

शद्दा दो फतहों के साथ: छोटे सीन का सिर जिस पर दो फतहे हों «ـَّـ»।

शद्दा दो कसरों के साथ: छोटे सीन का सिर जिस के नीचे दो कसरे हों «ـِّـ»।

शद्दा दो ज़म्मों के साथ: छोटे सीन का सिर जिस के ऊपर दो ज़म्मे हों «ـُّـ»।

पठन का तरीका:

पहले, दूसरे और तीसरे पाठ का विश्लेषण (पेज ५३, ५५, ५७) :

छात्र पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «أَ» फिर पहले हर्फ को दूसरे मुशद्दद हर्फ के साथ दोनों की हरकत और तन्वीन सहित पढ़े «أَبّاً»।

पहले दूसरे और तीसरे पाठ के उदाहरणों का विश्लेषण (पेज ५४, ५६, ५८) :

अगर कलिमा तीन हुरूफ से बना हो तो पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «قَـ», फिर दूसरे हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «ـوِ», फिर दोनों को एक साथ पढ़े «قَو», फिर दूसरे हर्फ को तीसरे मुशद्दद हर्फ के साथ तन्वीन और हरकत के साथ पढ़े «ـوِيّاً», फिर पूरा कलिमा को एक साथ पढ़े «قَوِيّاً»।

चौथे पाठ का विश्लेषण (पेज ५९) :

अगर कलिमे में दो लगातार मुशद्दद हर्फ हों तो कलिमे के आरंभ से प्रथम मुशद्दद हर्फ तक पिछले क़ायदे के अनुसार पढ़े, फिर मुशद्दद हर्फ को उसके पहले वाले हर्फ के साथ पढ़े, फिर कलिमे के आरंभ से प्रथम मुशद्दद के साथ पढ़े, फिर दोनों मुशद्दद हुरूफ उनसे पहले वाले हर्फ के साथ पढ़े, फिर पूरे कलिमे को शुरू से दोनों मुशद्दद हुरूफ के साथ पढ़े।

लगातार दो मुशद्दद हुरूफ को पढ़ने का उदाहरण «لَأُضِلَّنَّهُمْ» (पेज ५९) :

छात्र लाम को उसकी हरकत के साथ पढ़े «لَـ», फिर हमज़ा को उसकी हरकत के साथ पड़े «أُ», फिर दोनों को एक साथ पढ़े «لَأُ», फिर ज़्वाद को उसकी हरकत के साथ पढ़े «ضِـ» फिर सबको उनकी हरकात के साथ पढ़े «لَأُضِـ», फिर ज़्वाद को मुशद्दद लाम के साथ हरकत सहित पढ़े «ضِلَّـ», फिर सबको मुशद्दद लाम के साथ हरकत सहित पढ़े «لَأُضِلَّـ» फिर ज़्वाद को मुशद्दद लाम और मुशद्दद नून के साथ हरकत सहित पढ़े «ضِلَّنَّـ», फिर सब को मुशद्दद लाम और मुशद्दद नून के साथ हरकत सहित पढ़े «لَأُضِلَّنَّـ» फिर हा को उसकी हरकत के साथ पड़े «ـهُـ», फिर सबको उन की हरकत सहित पढ़े «لَأُضِلَّنَّهُـ», फिर हा को उसकी हरकत सहित साकिन मीम के साथ पढ़े «ـهُمْ», फिर पूरे कलिमा को एक साथ पढ़े «لَأُضِلَّنَّهُمْ»।

पहला पाठ: शद्दा दो फतहों के साथ ـَّـً

أَبَّاً	أَتَّاً	أَثَّاً	أَجَّاً
أَحَّاً	أَخَّاً	أَدَّاً	أَذَّاً
أَرَّاً	أَزَّاً	أَسَّاً	أَشَّاً
أَصَّاً	أَضَّاً	أَطَّاً	أَظَّاً
أَعَّاً	أَغَّاً	أَفَّاً	أَقَّاً
أَكَّاً	أَلَّاً	أَمَّاً	أَنَّاً
أَهَّاً	أَوَّاً	أَيَّاً	

शद्दा दो फतहों के साथ; ـًّ उदाहरण

حُبّاً	سَدّاً
سِـرّاً	أَزّاً
بَسّاً	صَفّاً
حَقّاً	دَكّـاً
كُلّاً	جَـمّاً
عَفُوّاً	قَوِيّاً

दूसरा पाठ: शद्दा दो कसरों के साथ ـِـّـِـ

أَبِّ	أَتِّ	أَثِّ	أَجِّ
أَحِّ	أَخِّ	أَدِّ	أَذِّ
أَرِّ	أَزِّ	أَسِّ	أَشِّ
أَصِّ	أَضِّ	أَطِّ	أَظِّ
أَعِّ	أَغِّ	أَفِّ	أَقِّ
أَكِّ	أَلِّ	أَمِّ	أَنِّ
أَهِّ	أَوِّ	أَيِّ	

शद्दा दो कसरों के साथ ـٍّ उदाहरण

فَجٍّ	مَرَدٍّ
ضُرٍّ	حَظٍّ
أُفٍّ	رَقٍّ
صَكٍّ	ظِلٍّ
غَمٍّ	سِنٍّ
عُتُوٍّ	خَفِيٍّ

तीसरा पाठ: शद्दा दो ज़म्मों के साथ ـُّ

أَبُّ	أَتُّ	أَثُّ	أَجُّ
أَحُّ	أَخُّ	أَدُّ	أَذُّ
أَرُّ	أَزُّ	أَسُّ	أَشُّ
أَصُّ	أَضُّ	أَطُّ	أَظُّ
أَعُّ	أَغُّ	أَفُّ	أَقُّ
أَكُّ	أَلُّ	أَمُّ	أَنُّ
أَهُّ	أَوُّ	أَيُّ	

शद्दा दो ज़म्मों के साथ ـٌّ ; उदाहरण

سِتٌّ	رَبٌّ
صَدٌّ	شُحٌّ
شِقٌّ	شَـرٌّ
حِلٌّ	شَكٌّ
مُسِنٌّ	صُمٌّ
غَنِـيٌّ	عَدُوٌّ

चौथा पाठ: दो मुशद्दद हर्फ ـّـّـ

يُبَتِّكُنَّ	لُجِّيٍّ
مُدَّثِّرُ	سَيَذَّكَّرُ
ذُرِّيَّةٌ	مُزَّمِّلُ
يَمَسَّسْنَ	يَشَّقَّقُ
يَصَّعَّدُ	يَطَّوَّفَ
لَأُضِلَّنَّهُمْ	أَتَمَّهُنَّ

छटा अध्याय

हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से):

- छात्र पठन और लेखन में हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली के बीच अन्तर करने में सक्षम होगा।
- हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली को सही से पढ़ सकेगा।

शिक्षक के लिए

हमज़ा ए क़तई: ये हरकत वाला असली हमज़ा होता है जो कलिमे के शुरू में आता है, अलिफ के ऊपर या नीचे लिखा जाता है और अपनी हरकत के हिसाब से पढ़ा जाता है «أُ – إِ – أَ»।

हमज़ा ए वस्ली: ये कलिमे के शुरू में एक्स्ट्रा हमज़ा होता है, लिखने में अलिफ लिखा जाता है और इस पर कोई हरकत नहीं होती, इसे उस समय लिखा और पढ़ा जाता है जब इससे पहले के हर्फ से मिलाप नहीं होता। और जब पहले वाले हर्फ से मिलाप हो जाए तो सिर्फ लिखा जाता है, पढ़ा नहीं जाता।

हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली को कैसे पहचाने?

कलिमे से पहले वाव रखें

अगर हमज़ा पढ़ने में आ रहा है तो वो हमज़ा ए क़तई है

और अगर हमज़ा पढ़ने में नहीं आ रहा है तो वो हमज़ा ए वस्ली है।

पठन का तरीका

पहले पाठ का विश्लेषण (पेज ६३) :

१.छात्र हमज़ा ए क़तई को उसकी हरकत के अनुसार पढ़े, जैसा के पिछले पाठ में गुज़र चुका है।

२.पाठ के उदाहरणों में भी वही तरीका अपनाए

दूसरे पाठ का विश्लेषण (पेज ६४) :

१. अगर हमज़ा ए वस्ली से पहले कोई हर्फ ना हो तो वो हमज़ा ए क़तई पढ़ा जाएगा।

२. अगर हमज़ा ए वस्ली से पहले कोई हर्फ हो तो उसे नहीं पढ़ा जाएगा, और पढ़ने में हमज़ा ए वस्ली से पहले वाले हर्फ को हमज़ा ए वस्ली के बाद वाले हर्फ से मिलाया जाएगा, लिहाज़ा «وَاتْلُ» को «وَتْلُ» पढ़ा जाएगा।

३. पाठ के उदाहरणों में भी वही पिछला तरीका अपनाया जाए।

पहला पाठ: हमज़ा ए क़तई

أَسْلَمَ	وَأَسْلَمَ
أَعْمَلُ	وَأَعْمَلُ

हमज़ा ए क़तई; उदाहरण

أَجَلَ	إِخْوَةُ
أُسْوَةٌ	وَأَشَدَّ
إِصْراً	وَأَضَلُّ
وَأَعْلَمُ	أَقْرَبُ
فَأَنْزَلَ	أَوْحَى

दूसरा पाठ: हमज़ा ए वस्ली

ابْنُ	وَابْنُ
اثْنَانِ	وَاثْنَانِ

हमज़ा ए वस्ली; उदाहरण

وَاتْلُ	ارْكُضْ
اسْمُ	اشْرَحْ
فَاصْبِرْ	وَاضْرِبْ
وَاعْبُدْ	فَاغْفِرْ
اكْشِفْ	وَانْظُرْ

सांतवाँ अध्याय

साधारण मद

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से):

- साधारण मद के हुरूफ को पहचान लेगा
- साधारण मद के हुरूफ को सही से पढ़ सकेगा

शिक्षक के लिए

साधारण मद के हुरूफ तीन हैं: «ا – و – ي»

हर्फ साधारण मद कब होता है?

जब अलिफ से पहले फतहा हो «بَا» वाव से पहले ज़म्मा हो «بُو» या फिर या से पहले कसरा हो «بِي»

क्या मद के हुरूफ पर हरकत होती है?

मद के हुरूफ़ साकिन होते हैं, इन पर कोई हरकत नहीं होती, ना फतहा ना ज़म्मा और ना ही कसरा।

पठन का तरीका

१. छात्र पहले हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «تَـ» , फिर पहले हर्फ को मद के हर्फ के साथ पढ़े «تَا», फिर तीसरे हर्फ को उसकी हरकत के साथ पढ़े «بَ» फिर पूरे कलिमा को एक साथ पढ़े «تَابَ»।

२. पाठ के उदाहरणों में भी वही पिछला तरीका अपनाए।

साधारण मद

अलिफ में साधारण मद का उदाहरण ا

تَـابَ	خَافَ	رَانَ
طَافَ	عَـادَ	قَامَ

वाव में साधारण मद का उदाहरण و

أَعُوذُ	رَسُولٌ	سُـورَةٌ
شَـكُورٌ	غَفُورٌ	هُـودٍ

या में साधारण मद का उदाहरण ي

خَبِيـرٌ	دِينِ	شَدِيدٌ
عِيشَةٍ	قَدِيرٌ	مُبِيـنٌ

आठवाँ अध्याय

बहुवचन के वाव के बाद अलिफ

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से)

- जमा (बहुवचन) के वाव के बाद अलिफ को पहचान लेगा

शिक्षक के लिए

जमा (बहुवचन) के वाव के बाद अलिफ: ये अलिफ बहुवचन के वाव के बाद फे'ल (क्रिया) के अंत में होता है, जैसे: «صَلُّوا»।

जमा (बहुवचन) के वाव के बाद अलिफ लिखने का कारण: इस बात को बतलाने के लिए कि यहां जो वाव है वो बहुवचन का वाव है, अगर बहुवचन का वाव ना हो तो उसके बाद अलिफ नहीं लिखा जाता, जैसे: «أَرْجُو»।

पठन का तरीका:

विश्लेषण (७१) :

१. पाठ के उदाहरणों में भी वही पिछला तरीका अपनाए।

२. बहुवचन के वाव के बाद अलिफ केवल लिखा जाता है, ये कभी पढ़ा नहीं जाता।

बहुवचन के वाव के बाद अलिफ

أُمِرُوا	تَوَاصَوْا
جَابُوا	ذَاقُوا
رَضُوا	زَاغُوا
فَتَنُوا	قُوا
كُلُوا	مَرُّوا
نُهُوا	يَتَّخِذُوا

नवाँ अध्याय

ता ए मरबूता

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से)

- ता ए मरबूता को पहचान लेगा
- ता ए मरबूता को सही से पढ़ लेगा मिलाकर भी और विराम के साथ भी।

शिक्षक के लिए

ता ए मरबूता: ये कलिमा के अंत में आनी वाली ता है, हा ए मुततर्रिफा की तरह इसे लिखा जाता है, इसके ऊपर दो नुक्ते होते हैं वस्ल (मिलाकर) पढ़ते समय इसे ता ही पढ़ा जाता है, लेकिन वक़्फ (विराम) के समय इसे हा पढ़ा जाता है «ـة – ـة»।

पढ़ने का तरीका:

विश्लेषण (पेज ७५) :

१. छात्र पाठ के उदाहरणों में पिछला तरीका अपनाए।

२. ता ए मरबूता को एक बार वस्ल (मिलाकर) पढ़े और एक बार वक़्फ (विराम) के साथ पढ़े।

- वस्ल (मिलाकर पढ़ने) की स्थिति में ता को हरकत के साथ पढ़े।
- वक़्फ (विराम) की स्थिति में उसे साकिन हा पढ़े।

ता ए मरबूता

वस्ल के साथ	वक़्फ के साथ
عَالِيَةٍ	عَالِيَهْ
فِئَةٍ	فِئَهْ

ता ए मरबूता के उदाहरण

بَرَرَةٍ	تِسْعَةَ
رِحْلَةَ	زَجْرَةٌ
سَفَرَةٍ	صُورَةٍ
فِتْنَةٌ	قِسْمَةٌ
لَيْلَةِ	نِعْمَةٍ

दसवाँ अध्याय

क़मरी और शम्सी लाम

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से) :

- क़मरी और शम्सी लाम के बीच अन्तर कर सकेगा
- क़मरी और शम्सी लाम को सही से पढ़ लेगा।

शिक्षक के लिए

क़मरी लाम: ऐसा लाम जिस से पहले कलिमे के शुरू में हमज़ा ए वस्ली हो, ये लाम पढ़ा भी जाता है और लिखा भी जाता है।

शम्सी लाम: ऐसा लाम जिस से पहले कलिमे के शुरू में हमज़ा ए वस्ली हो, ये लाम लिखा तो जाता है, पढ़ा नहीं जाता।

क़मरी और शम्सी लाम को कैसे पहचानें?

कलिमे से पहले वाव रखें, अगर लाम पढ़ने में आ रहा है तो वो क़मरी लाम है, और अगर पढ़ने में नहीं आ रहा है तो वो शम्सी लाम है।

पठन का तरीका:

प्रथम पाठ का विश्लेषण (पेज ७९) :

१. जब क़मरी लाम से पहले वाले हमज़ा ए वस्ली से पहले कोई हर्फ ना हो तो हमज़ा ए वस्ली को फतहा और साकिन लाम के साथ पढ़ा जाएगा «أَلْ»।

२. जब क़मरी लाम से पहले वाले हमज़ा ए वस्ली से पहले कोई हर्फ ना हर्फ हो तो हमज़ा ए वस्ली नहीं पढ़ा जाएगा और हमज़ा से पहले वाले हर्फ को साकिन लाम के साथ मिलाकर पढ़ा जाएगा «وَلْ»।

३.छात्र पाठ के उदाहरणों में पिछला तरीका अपनाए।

दूसरे पाठ का विश्लेषण (पेज ८०) :

१.जब शम्सी लाम से पहले वाले हमज़ा ए वस्ली से पहले कोई हर्फ ना हो तो हमज़ा ए वस्ली को फतहा के साथ उस मुशद्दद हर्फ के संग पढ़ा जाएगा जो लाम के बाद हो और लाम पढ़ने में नहीं आएगा, अत: «السَّمَاءُ» को «أَسَّمَاءُ» पढ़ा जाएगा।

२. जब शम्सी लाम से पहले वाले हमज़ा ए वस्ली से पहले कोई हर्फ हो तो उसी हर्फ को लाम के बाद वाले मुशद्दद हर्फ के संग पढ़ा जाएगा, तथा हमज़ा और लाम दोनों पढ़ने में नहीं आयेंगे, अत: «وَالسَّمَاءُ» को «وَسَّمَاءُ» पढ़ा जाएगा।

३.छात्र पाठ के उदाहरणों में पिछला तरीका अपनाए।

- आवश्यक नोट:

१.जब क़मरी या शम्सी लाम से पहले अन्य लाम हो तो हमज़ा ए वस्ली पठन और लेखन दोनों में नहीं आएगा। जैसे: «لِلْقَمَرِ» और «لِلنَّاسِ»।

२.जब शम्सी लाम से पहले कोई और लाम हो और वो लाम से आरंभिक कलिमे पर दाखिल हो तो हमज़ा ए वस्ली के साथ शम्सी लाम भी पठन और लेखन में नहीं आएगा «لِلِّسَانِ»

पहला पाठ: क़मरी लाम

الْعَصْرِ	وَالْعَصْرِ
الْقَلَمِ	وَالْقَلَمِ

क़मरी लाम के उदाहरण

وَالْبَحْرِ	الْجَمْعُ
وَالْحَمْدُ	وَالْخَيْلَ
الْغَضَبُ	وَالْفَجْرِ
الْكَرْبِ	الْمُلْكُ
الْوَعْدُ	الْيَمِينِ

दूसरा पाठ: शम्सी लाम

الرُّوحُ	وَالرُّوحُ
الضُّحَى	وَالضُّحَى

शम्सी लाम के उदाहरण

الـتَّغَابُنِ	الـثَّابِتِ
الـدُّعَاءَ	الـذَّهَبَ
وَالسَّاعَةُ	الشِّمَالِ
الصَّمَدُ	وَالطُّورِ
وَالظَّاهِرُ	الـنُّورِ

ग्यारहवाँ अध्याय

कलिमाों का पठन

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इस चीज़ में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से):

- कलिमों (शब्दों), जुमलों (वाक्यों) और मूलपाठों को सही से पढ़ लेगा।

शिक्षक के लिए

पठन का तरीका:

पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवे पाठ का विश्लेषण (पेज ८३, ८४, ८५, ८६, ८७):

१. छात्र पहले कलिमे को पढ़े जैसे पिछले पाठों में बताया गया है।

२. छात्र दूसरे कलिमे को पढ़ जैसे पिछले पाठों में बताया गया है।

३. जब उदाहरण दो कलिमों का हो तो वापस हो कर पहले और दूसरे कलिमे को एक साथ पढ़े।

४. और जब उदाहरण तीन कलिमों का हो तो पहले कलिमे को दूसरे के साथ मिला दे, फिर तीसरे कलिमे को पढ़े, फिर दोबारा पूरा उदाहरण पढ़े।

५. अगर उदाहरण चार कलिमों से बना हो तो पहले कलिमे को दूसरे कलिमे के साथ मिला दे, फिर तीसरे को चौथे के साथ मिलाए, फिर पूरा उदाहरण दोहराए।

६. मिसाल में जब चार से अधिक कलिमे हों तो इसी तरीके को अपनाए और कभी कभी जोड़ने में अर्थ का ध्यान रखा जाए।

आवश्यक नोटिस:

१. जब कलिमे के अंत में ऐसा मुतहर्रिक हर्फ आए जिस के बाद मद हो, और उसके बाद दूसरे कालिमे में साकिन हर्फ हो तो दोनों को मिलाकर पढ़ने की सूरत में पहले को नहीं पढ़ा जाएगा।

इसका उदाहरण «وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ» है, मीम हरकत वाला हर्फ है और उसके बाद दो साकिन हुरूफ (वाव और स्वाद) हैं, तो वाव को हज़्फ़ करके «وَأَقِيمُصَّلَاةَ» पढ़ा जाएगा। जहां तक बहुवचन के वाव के बाद वाले अलिफ़ तथा हमज़ा ए वस्ली और शम्सी लाम की बात है तो मिलाते वक्त इन सब को नहीं पढ़ा जाएगा।

इसी तरह एक उदाहरण है «ذَا الْقُرْبَى» ज़ाल हरकत वाला हर्फ है, उसके बाद दो साकिन हुरूफ (अलिफ और क़मरी लाम) हैं, तो अलिफ को हज़्फ़ करके «ذَلْقُرْبَى» पढ़ा जाएगा। जहां तक हमज़ा ए वस्ली की बात है तो मिलाते समय नहीं पढ़ा जाएगा।

२. कलिमा «اللَّهُ» में अधिक इस्तेमाल में आने के कारण मुशद्दद लाम के बाद अलिफ नहीं लिखा जाएगा, और उसे «اللَّاهُ» पढ़ा जाएगा।

३. कलिमा «إِلَهَ» में अधिक इस्तेमाल में आने के कारण लाम के बाद अलिफ नहीं लिखा जाएगा, और उसे «إِلَاهَ» पढ़ा जाएगा।

४. कलिमा «الرَّحْمَنِ» में अधिक इस्तेमाल में आने के कारण हा के बाद अलिफ नहीं लिखा जाएगा, और उसे «الرَّحْمَانِ» पढ़ा जाएगा

पहला पाठ: दो कलिमों के पठन के उदाहरण

اللَّهُ رَبِّـي
الْإِسْلَامُ دِينِـي
مُـحَمَّدٌ نَبِيِّـي
الْـحَـيُّ الْقَيُّومُ
الْعَزِيزُ الْـحَكِيمُ
الدِّينُ النَّصِيحَةُ
وَبِالْوَالِدَيْنِ إِحْسَاناً

दूसरा पाठ: तीन कलिमों के पठन के उदाहरण

اللَّهُ فِـي السَّمَاءِ
مَالِكِ يَوْمِ الدِّينِ
وَإِنَّ عَلَيْكُمْ لَـحَافِظِينَ
إِنَّهُ لَقُرْآنٌ كَرِيمٌ
اهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ
إِنَّمَا الْـمُؤْمِنُونَ إِخْوَةٌ
وَقُولُوا لِلنَّاسِ حُسْناً

तीसरा पाठ: चार कलिमों के पठन के उदाहरण

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ
إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ
وَأَطِيعُوا اللَّهَ وَأَطِيعُوا الرَّسُولَ
وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ
أَسْتَغْفِرُ اللَّهَ وَأَتُوبُ إِلَيْهِ
وَآتِ ذَا الْقُرْبَى حَقَّهُ

चौथा पाठ: जुमले के पठन के उदाहरण

وَمَا خَلَقْتُ الْـجِنَّ وَالْإِنْسَ إِلَّا لِيَعْبُدُونِ
وَقَالَ رَبُّكُمُ ادْعُونِـي أَسْتَجِبْ لَكُمْ
لَيْسَ كَمِثْلِهِ شَيْءٌ وَهُوَ السَّمِيعُ الْبَصِيرُ
إِنَّ الدِّينَ عِنْدَ اللَّهِ الْإِسْلَامُ
خَيْرُكُمْ مَنْ تَعَلَّمَ الْقُرْآنَ وَعَلَّمَهُ
أَعُوذُ بِكَلِمَاتِ اللَّهِ التَّامَّاتِ مِنْ شَرِّ مَاخَلَقَ
سُبْحَانَ اللَّهِ وَبِـحَمْدِهِ سُبْحَانَ اللَّهِ الْعَظِيمِ

पांचवां पाठ: मूलपाठ के पठन के उदाहरण

الْإِسْلَامُ: أَنْ تَشْهَدَ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ، وَأَنَّ مُحَمَّداً رَسُولُ اللَّهِ، وَتُقِيمَ الصَّلَاةَ، وَتُؤْتِيَ الزَّكَاةَ، وَتَصُومَ رَمَضَانَ، وَتَحُجَّ الْبَيْتَ إِنِ اسْتَطَعْتَ إِلَيْهِ سَبِيلاً

الْإِيمَانُ: أَنْ تُؤْمِنَ بِاللَّهِ، وَمَلَائِكَتِهِ، وَكُتُبِهِ، وَرُسُلِهِ، وَالْيَوْمِ الْآخِرِ، وَتُؤْمِنَ بِالْقَدَرِ خَيْرِهِ وَشَرِّهِ

الْإِحْسَانُ: أَنْ تَعْبُدَ اللَّهَ كَأَنَّكَ تَرَاهُ، فَإِنْ لَمْ تَكُنْ تَرَاهُ فَإِنَّهُ يَرَاكَ

बारहवाँ अध्याय

क़ुरआनी लिपि की शब्दावली

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इन चीज़ों में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से):

- क़ुरआनी लिपि की कुछ शब्दावली को पहचान लेगा
- उस्मानी लिपि और आज के लेखन पद्धति में अंतर कर सकेगा

नोट

कुछ शब्दों और मात्राओं में क़ुरआनी लिपि आज के लेखन पद्धती से भिन्न है।

शिक्षक के लिए

- छोटी ح का सिरा «بْ»: ये हर्फ के सुकून को इंगित करता है, इस को सुकून वाले पाठ के अनुसार पढ़ा जात है।
- हमज़ा ए वस्ली के ऊपर छोटी स्वाद ص का सिरा «ٱ» ये बताता है कि ये हमज़ा हमज़ए वस्ली है, हमज़ा ए वस्ली के पाठ के अनुसार पढ़ा जाता है।
- मद का चिन्ह «~»: ये हर्फ के मद को बताता है जो साधारण मद के अतिरिक्त हो।
- हमज़ा फिर अलिफ «ءَا» ये «آ» पढ़ा जाता है, इसे मद्द ए बदल कहते हैं, साधारण मद के पाठ अनुसार पढ़ा जाता है।
- बड़े हर्फ के बाद मद का छोटा हर्फ «ـهِۦ - ـهُۥ - وٗ»: ये दोनों क पढ़े जाने को बताता है, साधारण मद के पाठ अनुसार पढ़ा जाता है।
- बड़े हर्फ के ऊपर छोटी अलिफ «وٰ» या छोटी सीन «صۜ»: ये छोटे हर्फ के पढ़े जाने और बड़े हर्फ के ना पढ़े जाने को बताते हैं।
- अलिफ के ऊपर आयताकार वृत्त «ا۠» : अलिफ के विराम के साथ पढ़ने और मिलाते समय ना पढ़ने को इंगित करता है।
- हुरूफ ए इल्लत पर पूर्ण वृत्त «ا۟ - و۟ - ي۟»: ये हर्फ के ना पढ़ने को इंगित करता है।

- आवश्यक नोटिस: छात्र पाठ के उदाहरणों में पिछला तरीका अपनाए।
- फ़ायदा: क़ुरआनी लिपि में या को उसके रूप के साथ कलिमा के अंत में बिना नुक्ता के लिखा गया है «ى», इसमें और अलिफ मक़्सूरा में अन्तर का तरीका निम्नलिखित है:

१.अगर या हरकत के साथ हो जैसे फतहा: «نَسِىَ» कसरा: «يُحْيِ», ज़म्मा: «الْبَغْىُ» या उस पर छोटी हा का सिर हो: «الَّتِىْ» तो वो या है।

२. अगर या किसी भी हरकत के साथ ना हो और उस पर छोटी हा का सिर भी ना हो तो उस से पहले हर्फ की हरकत को देखा जाएगा, अगर उसमें कसरा हो तो वो या होगा जैसे: «عِبَادِى» और अगर फतहा हो तो वो अलिफ मक़्सूरा होगा जैसे: «الْهُدَى» ।

पहला पाठ: छोटी हा का सिर ۡ

छोटी हा के सिर के उदाहरण ۡ

حَبْلٌ	خَلْفٌ	طَلْعٌ
قَبْلُ	نَحْنُ	وَجْهِ

दूसरा पाठ: छोटी स्वाद का सिर ۟

छोटी स्वाद के सिर के उदाहरण ۟

وَٱلْبَلَدُ	وَٱلتِّينِ	وَٱلشَّجَرِ
ٱلصَّيْفِ	وَٱلطَّارِقِ	ٱلنَّاسِ

पहला पाठ: मद का चिन्ह (~)

मद के चिन्ह के उदाहरण (~)

جَآءَ	ٱلضَّآلِّينَ	فِدَآءً
قُرُوٓءٍ	مَآئِدَةً	هَـٰٓؤُلَآءِ

चौथा पाठ: हमज़ा फिर अलिफ (ءَا)

हमज़ा फिर अलिफ के उदाहरण (ءَا)

क़ुरआनी लिपि	पठन
وَءَاتِ	وَآتِ
ءَادَمُ	آدَمُ
ءَامَنُوا۟	آمَنُوا۟
ٱلْقُرْءَانُ	ٱلْقُرْآنُ

पांचवां पाठ: बड़े हर्फ के बाद छोटा हर्फ ا و ے

छोते अलिफ के उदाहरण ا

ذَٰلِكَ لَٰكِنِ مَلَٰٓئِكَةٌ

هَٰذَا وَٰعَدْنَا يَٰٓأَيُّهَا

छोटे वाव के उदाहरण و

بَعْدَهُۥ حَمْلُهُۥ دَاوُۥدَ

كَأَنَّهُۥ نِعْمَتَهُۥ وَعْدَهُۥ

छोटी या के उदाहरण ے

دُونِهِۦ رَحْمَتِهِۦ سَبِيلِهِۦ

طَعَامِهِۦ ظَهْرِهِۦ وَرَائِهِۦ

छठा पाठ: बड़े हर्फ पर छोटा अलिफ (ا) या छोटा सीन (س)

बड़े हर्फ के ऊपर छोटे हर्फ के उदाहरण (ا - س)

ٱلْحَيَوٰةَ	ٱلزَّكَوٰةَ	ٱلصَّلَوٰةَ
كَمِشْكَوٰةٍ	مَوْلَىٰهُ	يَبْصُۜطُ

सातवाँ पाठ: आयताकार वृत्त (۠)

आयताकार वृत्त के उदाहरण (۠)

أَنَا۠	ٱلرَّسُولَا۠	ٱلسَّبِيلَا۠
ٱلظُّنُونَا۠	قَوَارِيرَا۠	لَٰكِنَّا۠

आठवां पाठ: पूर्ण वृत्त ٥

पूर्ण वृत्त के उदाहरण ٥

أُوْلَـٰٓئِكَ	ثَمُودَاْ	قَالُواْ
مِاْئَةَ	نَبَإِىْ	يَتْلُواْ

तेरहवाँ अध्याय

गिनती

उद्देश्य

अध्याय संपन्न करने के बाद छात्र इस चीज़ में निपुण हो जाएगा (अल्लाह की कृपा से):

अरक़ाम (गिनती) को सही पढ़ने में महारत हासिल कर लेगा।

शिक्षक के लिए

छात्र गिनती कोनिम्न लिखित तरीके से पढ़ेगा:

इस्नान ٢	वाहिद ١	सिफ्र ٠
खमसा ٥	अर्बआ ٤	सलासा ٣
समानिया ٨	सबआ ٧	सित्ता ٦
अहद अशर ١١	अशरा ١٠	तिसआ ٩
अर्बअत अशर ١٤	सलासत अशर ١٣	इषना अशर ١٢
सबअत अशर ١٧	सित्तत अशर ١٦	खमसत अशर ١٥
इशरून ٢٠	तिसअत अशर ١٩	समानियत अशर ١٨

गिनती

० ०	१ १	२ २
३ ३	४ ٤	५ ٥
६ ٦	७ ٧	८ ٨
९ ٩	१० ١٠	११ ١١
१२ ١٢	१३ ١٣	१४ ١٤
१५ ١٥	१६ ١٦	१७ ١٧
१८ ١٨	१९ ١٩	२० ٢٠

विषय सूची

प्रस्तावना.....५
पुस्तक में मेरा कार्य.....६
मदनी क़ायदे की विशेषताएं.....८
मदनी क़ायदे के उद्देश्य.....९
पाठ्यक्रम की व्याख्यात्मक सीढ़ी.....९०

प्रारंभ..... ११

प्रथम अध्याय: वर्णमाला.....१३
दूसरा अध्याय: हर्फ हरकत और सुकून के साथ.....२१
तीसरा अध्याय: हर्फ तन्वीन के साथ.....३५
चौथा अध्याय: हर्फ शद्दा और हरकत के साथ ४३
पांचवाँ अध्याय: हर्फ, शद्दा और तन्वीन के साथ..... ५१

छठा अध्याय: हमज़ा ए क़तई और हमज़ा ए वस्ली..... ६१
सातवाँ अध्याय: साधारण मद ६५
आठवाँ अध्याय: बहुवचन के वाव के बाद अलिफ.....६९
नवाँ अध्याय: ता ए मरबूता..... ७३
दसवाँ अध्याय: क़मरी और शम्सी लाम..... ७७
ग्यारहवाँ अध्याय: कलिमात (शब्दों) का पठन.....८१
बारहवाँ अध्याय: क़ुरआनी लिपि की शब्दावली.....८९
तेरहवां अध्याय: अरक़ाम (अंक) ९७

विषय सूची.....१००

मुअस्ससा तलिबिल-इल्म लिन्नशर वत्तउज़ी
00966506090448

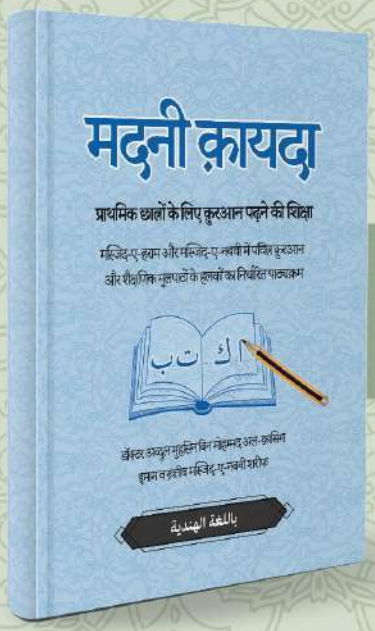

हमारी रिलीज़ में से

मदनी क़ायदा

- अरबी पठन पाठन का सबसे आसान और संक्षिप्त तरीका।
- युवा और वृद्ध छात्रों के लिए उपयुक्त।
- शैली की सहजता के साथ शैक्षणिक नींव पर आधारित।
- प्रचुर उदाहरणों और सहजता की विशेषता।
- आधुनिक तकनीक को ध्यान में रखते हुए, इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक एप्लिकेशन है जो सही सुनने और पढ़ने में सहायता करता है।
- लेखन सिखाने के लिए एक अलग किताब।
- इसमें शिक्षकों को पढ़ाने का सही तरीका जानने में मदद करने के लिए निर्देश हैं।